

‘एयर इंडिया’ के नज्जीकरण की योजना टली

संदर्भ

कुछ समय पूर्व सरकार ने एयरलाइंस की दुनिया में 'महाराजा' के नाम से जानी जाने वाली भारत की सरकारी वमिनन सेवा एयर इंडिया के वनिविश के लिये प्रस्ताव आमंत्रित किये थे। उल्लेखनीय है कि प्रस्ताव आमंत्रित करने के क्रम में नरिधारति तथितिक कसिी ने भी एयर इंडिया को खरीदने में रुचि नहीं दिखाई।

पृष्ठभूमि

- इस वर्ष मार्च के अंत में सरकारी वमिनन सेवा एयर इंडिया के नज्जीकरण (वनिविश) के लिये प्रस्ताव आमंत्रित किये गए थे, लेकिन 31 मई की तय समय सीमा के भीतर कोई प्रस्तावक सामने न आने की वजह से सरकार ने फलिहाल इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया है।
- लगभग 47 हजार करोड़ के कर्रज़ तथा अन्य देयताओं के बोझ तले दबे एयर इंडिया में सरकार अपना 76% हसिंसा बेचना चाहती थी। इसे खरीदने वाले को 33,392 करोड़ रुपए के कर्रज़ और वर्तमान देयताओं का भार भी उठाना पड़ता।

प्रमुख बदि

- सरकार ने एयर इंडिया के लिये 76% वनिविश का प्रस्ताव रखा था।
- इस वनिविश में भारी-भरकम ऋण तथा देयताएँ आड़े आईं।
- CAPA ने इसकी पुनर्रसंरचना की जरुरत बताई है।
- सरकार अपने जसि 76% हसिंसे को बेचना चाहती थी, उसमें इसकी सहायक इकाई एयर इंडिया एक्सप्रेस के अलावा ग्राउंड हैंडलिंग इकाई AI-SATS (एयरपोर्ट इंडिया और सगिापुर की एसएटीएस लमिटेड का संयुक्त उद्यम) का 50% हसिंसा शामिल था।
- खरीदने वाले को 33,392 करोड़ रुपए के कर्रज़ और वर्तमान देयताओं का भार उठाना पड़ता।
- सरकार ने इस राष्ट्रीय वमिनन कंपनी के प्रबंधन का नयितरण भी नज्जी कंपनी को देने का प्रस्ताव किये था।
- अन्य वमिनन सेवाओं ने एयर इंडिया के भारी-भरकम कर्रज़ के अलावा सरकार द्वारा 24% हसिंसेदारी अपने पास रखने पर भी सवाल उठाए।
- लगभग 15 हजार कर्मियों को मलिनने वाले लाभ और दायित्वों को लेकर भी स्थिति स्पष्ट न होने की बात सामने आई।
- सरकार ने 24% हसिंसा अपने पास रखने के पीछे तर्क यह दिया था कि इससे खरीदने वाले पर कर्रज़ का भार 25 हजार करोड़ रुपए कम पड़ता।
- इसकी हालत सुधारने के लिये नज्जी क्षेत्र से अनुभवी व्यक्तियों को शीर्ष पदों पर लाने का प्रयास किये जाएगा तथा साथ ही कॉस्ट कटिंग के नए तरीके खोजे जाएंगे।
- धन की कमी की समस्या को कम करके वमिनन सेवा को सुचारू रूप से चलाने के लिये एयर इंडिया की संपत्तिका मौद्रीकरण करने के प्रयास किये जाएंगे।
- एयरलाइन को परचालन लाभ प्राप्त हो रहा है तथा दक्ष लागत व्यवस्था के जरयि परचालन दक्षता में सुधार के प्रयास किये जाएंगे।
- सरकार एयर इंडिया के पुनरोदधार के जरयि उसे कुल लाभ की स्थिति में लाने का प्रयास कर रही है, ताकि इसे सूचीबद्ध कराया जा सके।
- फलिहाल नकदी की समस्या से जूझ रही एयर इंडिया अपने लगभग 15 हजार स्थायी तथा संबदि कर्मियों को इस माह का वेतन नहीं दे पाई है और इसके लिये सरकार से 1000 करोड़ रुपए का अल्पावधि कर्रज़ मांगा है।
- वनिविश प्रस्ताव पर कोई भी प्रस्ताव न मलिनने के कारण फलिहाल सरकार ने इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया है तथा इसे बाद में पुनः लाने की बात कही है। इसके लिये वमिनन ईधन की बढ़ती कीमतों को ज़मिमेदार ठहराया गया है।

एयर इंडिया

- एयर इंडिया 140 वमिननों वाली देश की सबसे बड़ी वमिनन सेवा है तथा इसके वमिनन 41 अंतर्राष्ट्रीय और 72 घरेलू गंतव्यों पर उड़ान भरते हैं।
- यह भारत की सबसे बड़ी अंतर्राष्ट्रीय वाहक भी है, जसिकी बाज़ार में हसिंसेदारी 17% है और यह घरेलू यात्री बाज़ार के 14.6% भाग पर नयितरण रखती है।

CAPA का सुझाव

- एयर इंडिया की हालत को देखते हुए सडिनी के शोध संस्थान सेंटर फॉर एशिया पैसफिक एविएशन (CAPA) ने सरकार से इसका व्यापक स्तर पर पुनर्रगठन करने को कहा है।
- उसने वनिविश को टालने को भी सही नहीं ठहराया और एयर इंडिया के नज्जीकरण के लिये नयिमों को सरल बनाने तथा पूरी बकिरी प्रक्रिया और शर्तों

पर फरि से काम करने की आवश्यकता बताई ।

- कापा के अनुसार, इस वफिलता के बाद वनिविश की योजना को छोड़ना उचति नहीं होगा तथा सरकार को एयर इंडिया के नजीकरण से संबंधति नयिमों को सरल बनाना चाहयि ।
- कंपनी को एक आकर्षक नविश अवसर के रूप में सामने आने के लयि पूरी बकिरी प्रक्रयिा और शर्तों पर फरि से काम करने की आवश्यकता है ।

नजीकरण क्या है?

- नजीकरण का तात्पर्य किसी संपत्ति अथवा कारोबार का स्वामतिव सरकारी संगठन से स्थानांतरति कर किसी नजी संस्था को देना है ।
- इसके अतरिकित इसमें सार्वजनकि रूप से चलने वाली कंपनी का कार्यभार किसी नजी स्वामतिव वाली कंपनी को सौंप दयिा जाता है ।
- नजीकरण होने से सरकार के वतित भार तथा करों से जुड़े जोखमि समाप्त हो जाते हैं तथा नजीकृत इकाई की दक्षता और प्रतसिपर्द्धा में भी सुधार होता है ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/air-india-privatisation-plan-shelved>

